बी.ए. तृतीय वर्ष
आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य
प्रथम पत्र–प्राकृत व्याकरण एवं रचना

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए–
   (क) श्लिषेः सामग्गावयास–परिअन्ताः
   (ख) न्यसो णिम–णुमौ
   (ग) णेरदेदावावे
   (घ) दृशि–वचेर्डीस–डुच्चं
   (ड.) बन्धो न्धः
   (च) ज्ञो णव्व–णज्जौ
   (छ) रूदिते दिना ण्णः
2. किन्हीं पांच शब्दों की रूपसिद्धि करें।
   पूरइ, धिप्पइ, होइज्जइ, करणिज्जं दट्ठूण, अपुव्वं, जिणादो।
3. मागधी प्राकृत की मुख्य विशेषताएं बतलाइए।
4. निम्नलिखित किन्हीं पाँच धातुओं के संस्कृत रूप लिखिए–
   पडिसाइ, पविसइ, हसइ, जाणावेइ, डज्झइ, वंदित्तु, हुअं
5. भू अथवा हस् धातु के वर्तमानकाल के रूप लिखिए।
6. अहिंसा अथवा जैन धर्म में से किसी एक विषय पर प्राकृत भाषा में निबन्ध लिखिए।
7. किन्ही पांच शब्दों की रूपसिद्धि कीजिए–
   पुञ्जं, भारिया, रमति, सुकिदु, दुल्लहहो, जिणेहिं, मुणी।
8. अपभ्रंश भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
9. निम्नलिखित किन्हीं पाँच शब्दों के संस्कृत रूप लिखिए–
   पुञ्जं, सुज्जो, महारिसि, हिअडउं, जिणो, मुणी, कमलाओ
10. पुल्लिंग प्रकरण को समझाइये।
11. जिण अथवा मुनि शब्द के अपभ्रंश रूप लिखिए।
12. अनेकान्त अथवा पर्यावरण विषय पर प्राकृत भाषा में निबन्ध लिखिए।
13. सूत्रपूर्ति करते हुये किन्हीं चार की सोदाहरण व्याख्या कीजिए–
   (क) शमेः .....।
   (ख) .....वम्फौ।
   (ग) .....पडिसा.....।
   (घ) कांक्षेराहाहिलड्.....।
   (ड.) ग्रहो वल .....।
14. किन्हीं पांच की रूपसिद्धि करें।
   रमइ, उल्लसइ, दिप्पइ, भावेइ, वाहिप्पइ, पुश्चदि, हसिरो।
15. शौरसेनी प्राकृत की मुख्य विशेषताएं बतलाइए।
16. निम्नलिखित धातुओं के संस्कृत रूप लिखिए–
   डहइ, धाहिइ, घडेइ, वोक्कइ, पढिज्जइ
17. सूत्र निर्देश करते हुए निम्नलिखित धातुओं को क्या आदेश होते हैं लिखें–

स्पृश्, रम्, क्षर्, दृश्, तक्ष्, ग्रस्, दह्, मुह्, आरूह्, भास्।

18. किसी एक विषय पर प्राकृत भाषा में निबन्ध लिखिए–
गुरुमहिमा, भारतदेश, सच्चा मित्र

19. किन्ही पांच पदों की रूपसिद्धि कीजिए–
कञ्ञका, निञ्छरो, एक्कसि, कुडुल्ली, चिश्ठदि,शस्तवाहे।

20. किन्हीं पांच सूत्रों की पूर्ति करते हुए सोदाहरण व्याख्या करें–
1. .....मागध्याम्।
2. पैशाच्यां.....।
3. चूलिका पैशाचिके.....।
4. .....एव्वउं एवा।
5. .....जश्शसोरिं।
6. .....इमुः .....।

21. मागधी अथवा पैशाची भाशा की विशेषताएं बतलाइए।

22. भू धातु के वर्तमान, भूत और भविष्यकाल का रूप लिखें।

23. किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए–
अनुशासन, आचार का महत्त्व

24. पगवाश आन्दोलन पर एक निबंध लिखें।
Write an essay on Pugwash Movement.

25. मार्टिन लूथर किंग ने किस प्रकार बस आन्दोलन का नेतृत्व किया?
How Martin Luther King lead the Bus Movement?

26. भूदान आन्दोलन का परिचय दें एवं इसके उद्देश्यों का वर्णन करें।
Give an introduction of Bhoodan Movement (donation of land) and discuss its objectives.

27. सम्पूर्ण क्रान्ति के विविध आयामों का वर्णन करें।
Describe the various aspects of Sampurna Kranti.

28. चिपको आन्दोलन की ऐतिहासिक पृश्ठभूमि एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं का वर्णन करें।
Discuss the historical background and important events of Chipko Movement.

29. नर्मदा बचाओ आन्दोलन से जुड़ी समस्याओं एवं वैकल्पिक योजनाओं का वर्णन करें।
Discuss the problems and alternative plans related to Save Narmada Movement.

बी.ए. तृतीय वर्ष
आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य
द्वितीय पत्र–अर्द्धमागधी व्याख्या एवं चरित्र साहित्य

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. सप्रसंग व्याख्या करें :– (कोई एक)

(1) नीलप्पलपत्तसरिच्छएण आशमुहेण बाणेणं।
वच्छत्थलम्मि सहसा ता पहओ रायतणएणं।।

(2) ता लज्जा ता माणो ताव य परलोयचिंतणे बुद्धी।
जा न विवेयजियहरा मयणस्स सरा पहुप्पंति।।

2. अगडदत्तकहा की कथावस्तु एवं अगडदत्त की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

3. सप्रसंग अनुवाद करें :– (कोई दो)

(अ) तुमं च णं जाया!..... अणगारियं पव्वइस्ससि।
('देवईए गयसुकुमालस्स य परिसंवादपयं' पाठ से उद्धृत)

(आ) सच्चं पिय संजमस्स उवरोहकारकं .....दुस्सुयं दुम्मुणियं।
('सावज्ज–अणवज्ज–सच्चपयं' पाठ से उद्धृत)

(इ) तए णं से भगवं..... अम्हे परिवसामो।
('अइमुत्ते' पाठ से उद्धृत)

(ई) तए णं तेयलिपुत्ते..... पहारेत्थ गमणाए।
('तेयलिपुत्त संबोह–पयं' पाठ से उद्धृत)

4. सप्रसंग व्याख्या करें :– (कोई एक)

(अ) तए णं तस्स धणस्स.....! अट्ठे समट्ठे।
('रोहिणी' पाठ से उद्धृत)

(ब) उवसग्ग गब्भहरणं, इत्थीतित्थं अभावियापरिसा।
कण्हस्स अवरकंका, उत्तरणं चंदसूराणं।।1।।
हरिवंसकुलप्पत्ती, चमरूप्पातो च अट्ठसयसिद्धा।
अस्संजतेसु पूआ, दस वि अणंतेण कालेण।।

5. 'स पुज्जो' पाठ के आधार पूज्य की विशेषताएं बताइए।

6. जयंती प्रश्न पद का दार्शनिक महत्त्व बताइए।

7. कृष्ण और थावच्चापुत्र परिसंवाद को अपने शब्दों में लिखते हुए उसका महत्त्व बताइए।

8. सप्रसंग व्याख्या करें :– (कोई एक)

(1) खणदिट्ठ नट्ठनविहवे खणपरियट्टंतविविहसुहदुक्खे।
खणसंजोगविओगे संसारे रे सुहं कत्तो।

(2) गंगाए वालुयं सायरे जलं हिमवओ।
जाणंति बुद्धिमंता महिलाहिययं न याणंति।।

9. अगडदत्त कथा का मूल्यांकन करते हुए अगडदत्त चरित के कवि का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

10. सप्रसंग अनुवाद करें :– (कोई दो)

(अ) तए णं से आणंदे..... वयसा कायसा।
("आणंदस्स गिहिधम्म–पडिवत्ति–पयं" पाठ से उद्धृत)

(आ) तए णं नंदे .....दब्भसंथारोवगए विहरइ।
("मंडुक्के" पाठ से उद्धृत)

(इ) लट्ठि गहाय णालीयं ..... वोसज्जमणगारे।
("भगवओ परीसह–पयं" पाठ से उद्धृत)

(ई) तए णं ते छ ..... पच्छण्णा चिट्ठंति।
('मोग्गरपाणी" पाठ से उद्धृत)

11. सप्रसंग व्याख्या करें :– (कोई एक)

(अ) तए णं अहं सुबहुं ..... अण्णं सरीरं।
('पएसी–केसी–संवाद–पयं" पाठ से उद्धृत)

(ब) से किं तं आयारसंपदा? .....से तं सरीरसंपदा।।

('गणिसंपदा' पाठ से उद्धृत)

12. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से लिखें :–

(क) नन्द मणिकार श्रेष्ठी द्वारा किए गए लोकोपकारी कार्यों का उल्लेख कीजिए।

(ख) भगवान् महावीर के परीषह पद तथा गणिसम्पदा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(ग) 'स्वप्नपद' तथा 'अदत्तादान' विरमण की पंचभावना की विस्तार से चर्चा कीजिए।

13. सप्रसंग व्याख्या करें :– (कोई एक)

(1) धम्मत्थदयारहिओ गुरूवयणविवज्जिओ अलियवाई।
परमणिरमणकामो निस्संको माणसोंडीरो ।।

(2) बुद्धिए पवंचेण य छलेण तह मंततंतजोएण।
पहणिज्जइ पडिवक्खो जस्स न नीईए सक्केज्ज।।

14. प्राकृत चरित कथासाहित्य की परम्परा का उल्लेख करते हुए अगडदत्तचरियं की कथा एवं उसकी सांस्कृतिक मीमांसा को अपने शब्दों में लिखिए।

15. सप्रसंग अनुवाद करें :– (कोई दो)

(अ) तए णं समणे भगवं महावीरं सद्दालपुत्तं.....दंडं वत्तेज्जासि?

('सद्दालपुत्त–संबोहण पयं' पाठ से उद्धृत)

(आ) तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी.....जाए यावि होत्था।

('मंडुक्के' पाठ से उद्धृत)

(इ) तए णं से आणंदे गाहावई..... अवितहमेयं भंते! असंदिद्धमेयं।

('आणंदस्स गिहिधम्म–पडिवत्ति पयं' पाठ से उद्धृत)

(ई) तणफासे सीयफासे य,तेउफासे य दंस–मसगे य।
अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ।।

16. सप्रसंग व्याख्या करें :– (कोई एक)

(अ) लज्जा दया संजमबंभचेरं, कल्लाणभागिस्स विसोहिठाणं।
जे मे गुरू सययमणुसासयंति, ते हं गुरू सययं पूययामि।।

(ब) तए णं सा जयंती .....गरूयत्तं हव्वमागच्छन्ति।

('जयंती पसिण पयं' पाठ से उद्धृत)

17. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से लिखें :–

(क) परमात्म पद तथा आत्मा के अस्तित्व पद का विस्तार से विवेचन कीजिए।

(ख) प्रदेशी–केशी संवाद लिखकर उसकी मुख्य मान्यताओं के बिन्दु लिखिए।

(ग) ''रोहिणी कथा भारतीय कथाओं में अग्रणी एवं शिक्षाप्रद कथा है'' रोहिणी कथानक के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए।

(घ) आनन्द–गौतम संवाद लिखकर उसकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

18. अगडदत्त कथा के रचनाकार का परिचय, समय, कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए नायिका की चरित्रगत विशेषताओं को विस्तार से समझाइए।

19. सप्रसंग व्याख्या करें :– (कोई एक)

(अ) मुहुत्तदुक्खा हु हवंति कंटया, अओमया ते वि तओ सुउद्धरा।
वायादुरुत्ताणि दुरुद्धराणि, वेराणुबंधीणि महब्भयाणि।।

(ब) तए णं तेयलिपुत्ते कणगज्झयं रायं.....गिहे पहारेत्थ गमणाए।

('तेयलिपुत्त संबोह पयं' पाठ से उद्धृत)

20. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से लिखें :–

(क) बहुश्रुत किसे कहते हैं? उसके गुणों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

(ख) गुरूपूजा एवं देवकी–गजसुकुमाल की कथा को अपने शब्दों में लिखकर उसके मूल्यों को उद्घटित कीजिए।

(ग) ''जयन्ती पसिण–पयं'' नामक पाठ में जिन धर्म–दर्शन विषयक सिद्धान्तों का विवेचन हुआ है, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) आनन्द गाथापति के गृहधर्म विषयक विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

21. संघर्ष एवं संघर्ष निराकरण से क्या समझते हैं? संघर्ष के आधार और प्रकार पर व्याख्या कीजिए।

22. शांति शिक्षा का स्वरूप और इसकी आवष्यकता पर व्याख्या लिखे। 21वीं शताब्दी में शिक्षा प्रणाली में आपके क्या सुझाव हैं?
23. मानव हिंसा के लिये कौन अवस्थाएं उत्तरदायी है? अहिंसा प्रषिक्षण के प्रयोग हृदय परिवर्तन, जीवन षैली परिवर्तन एवं व्यवस्था परिवर्तन के लिए कैसे उपयोग में लिया जा सकता है।
24. निःशस्त्रीकरण – जैन दृष्टि